CAPTURING **STORIES**. SHARING **IMPACT**.

MEDIA *Clips*

FILE

DOCUMENTING **TODAY**, INSPIRING **TOMORROW**.

CSIR-INDIA

सीएसआईआर
भारत का नवाचार इंजन
CSIR
The Innovation Engine of India

CBRI

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रूड़की
Central Building Research Institute, Roorkee
सुरक्षित निर्माण, सुरक्षित भविष्य
Safe Buildings, Sustainable Future

CSIR-CBRI in the Limelight | 25.06.2026

देवभूमि

सतत भवन निर्माण सामग्रियों, प्रौद्योगिकी तथा उद्योग-प्रेरित अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर

theaajtak | June 25, 2026 6:11 pm

Share

सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की और श्री सीमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम के बीच सतत भवन निर्माण सामग्रियों, प्रौद्योगिकी तथा उद्योग-प्रेरित अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर।

आज दिनांक 25 जून, 2026 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली स्थित सीबीआरआई दिल्ली केंद्र में सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीबीआरआई), रुड़की और श्री सीमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसका उद्देश्य सीमेंट, निर्माण एवं भवन सामग्री क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, ज्ञान आदान-प्रदान तथा क्षमता निर्माण के लिए एक रणनीतिक रूपरेखा स्थापित करना है।

एमओयू पर प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की और डॉ. गौतम चटर्जी, वाइस प्रेसिडेंट, श्री सीमेंट लिमिटेड द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर प्रो. एस. के. सिंह, साइंटिस्ट-जी, डॉ. एस. के. पांडियही, प्रमुख-टेक्नोलॉजी बिज़नेस डेवलपमेंट ग्रुप, डॉ. गोविंद गौरव और शिवम सोलंकी (सीएसआईआर-सीबीआरआई), डॉ. रोहेश अग्रवाल, पूर्व ईडी, बीएमटीपीसी एवं आईआईटी रुड़की में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, तथा ईर. सुमत गुप्ता, ज़ोनल हेड-सेल्स एंड मार्केटिंग और मोहन झा, एसटीई हेड, श्री सीमेंट लिमिटेड उपस्थित थे।

समझौते के तहत, दोनों संगठन फ्लाई ऐश, जीजीबीएफएस, स्टील स्लैग और कॉपर स्लैग जैसे औद्योगिक उप-उत्पादों के सीमेंट कंपोज़िट्स में उपयोग, परिपत्र अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों पर आधारित सतत सीमेंटयुक्त सामग्रियों के विकास, तथा निर्माण सामग्रियों में नैनोप्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर सहयोगात्मक अनुसंधान करेंगे।

यह साझेदारी नवोन्मेषी निर्माण सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के विकास तथा व्यावसायीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण प्रोटोकॉल के निर्माण, और सीमेंट तथा कंक्रीट में उपयोग होने वाले औद्योगिक उप-उत्पादों के लिए परीक्षण विधियों के मानकीकरण पर भी केंद्रित होगी।

Dehradun Haridwar

सीबीआरआई रुड़की और श्री सीमेंट के बीच एमओयू, सतत निर्माण सामग्री व नई तकनीकों पर होगा संयुक्त अनुसंधान...पढ़ें

Uttarakhand Parikalpana June 25, 2026

रुड़की(मनोज यादव)। सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई), रुड़की और श्री सीमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम के बीच गुरुवार को सतत भवन निर्माण सामग्री, प्रौद्योगिकी विकास और उद्योग-प्रेरित अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित किया गया।

एमओयू पर सीबीआरआई के निदेशक प्रो. आर. प्रदीप कुमार और श्री सीमेंट लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. गौतम चटर्जी ने हस्ताक्षर किए। समझौते का उद्देश्य सीमेंट, निर्माण एवं भवन सामग्री क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान, तकनीकी विकास, ज्ञान आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण के लिए एक मजबूत रणनीतिक ढांचा तैयार करना है।

समझौते के तहत दोनों संस्थाएं पत्ताई ऐश, जीजीबीएफएस, स्टील स्लैग और कॉपर स्लैग जैसे औद्योगिक उप-उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने, परिपत्र अर्थव्यवस्था आधारित सतत सीमेंटयुक्त सामग्रियों के विकास तथा निर्माण सामग्री में नेनो प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर संयुक्त शोध करेंगी।

इसके अलावा, नवोन्मेषी निर्माण सामग्रियों और तकनीकों के विकास एवं व्यावसायीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण प्रोटोकॉल तैयार करने तथा सीमेंट और कंक्रीट में उपयोग होने वाले औद्योगिक उप-उत्पादों की परीक्षण विधियों के मानकीकरण पर भी कार्य किया जाएगा।

दोनों संस्थान तकनीकी बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों के माध्यम से ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे। साथ ही शोध छात्रों के लिए फेलोशिप और संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग निर्माण क्षेत्र की उभरती चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे नवाचार, टिकाऊ और लागत-प्रभावी निर्माण तकनीकों के विकास को गति मिलेगी तथा अनुसंधान के परिणामों को व्यावहारिक उपयोग में लाने में मदद मिलेगी। यह साझेदारी भारतीय निर्माण एवं अवसंरचना क्षेत्र को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगी।

अभी की खबरें

- नकली नोट छापने वाले गिरोह के 03 सदस्य दबोचे,50 हजार रुपये के छपे जाली नोट, लैपटॉप, प्रिंटर व अन्य उपकरण बरामद...पढ़ें
- संत समाज के मार्गदर्शन और सहयोग से ऐतिहासिक बनेगा कुंभ-2027: शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा
- आयुर्वेद अपनाकर निरोग जीवन की ओर बढ़ें:डॉ. स्वास्तिक सुरेश
- मानसून के दृष्टिगत सभी अधिकारी समयबद्ध ढंग से तैयारियां एवं व्यवस्थाएं पूर्ण करें :जिलाधिकारी
- वनकर्मियों पर हमला करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, कार से 52,500 रुपये के जाली नोट बरामद...पढ़ें

CATEGORIES

- BJP
- Dehradun
- Education
- Haridwar
- Uncategorized
- अपराध/पुलिस प्रशासन
- उत्तर प्रदेश
- उत्तरकाशी
- कांग्रेस
- कांवड़ यात्रा/कुम्भ मेला
- काशीपुर
- कोटद्वार
- खाना/रेस्टोरेंट
- खेती
- खेती/किसान
- खेल
- चंपावत
- चमोली
- चारधाम यात्रा
- दिल्ली
- देहरादून
- धार्मिक
- नेशनल
- नैनीताल
- पशुपालन विभाग
- पौड़ी गढ़वाल
- प्रयागराज

प्रथम) पर चर्चा की गई है।

लोकतंत्र रक्षक सेनानी चौधरी माहपाल इमरजेंसी को भारतीय लोकतंत्र के उमेश श्रीमाली ने किया।

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान औरश्री सीमेंट लिमिटेड के मध्य एमओयू

रुड़की: सीएसआईआर–केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की और श्री सीमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम के बीच सतत भवन निर्माण सामग्रियों, प्रौद्योगिकी तथा उद्योग–प्रेरित अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर।

इंडिया हैबिटेट सैंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली स्थित सीबीआरआई दिल्ली केंद्र में सीएसआईआर–केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर–सीबीआरआई), रुड़की और श्री सीमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसका उद्देश्य सीमेंट, निर्माण एवं भवन सामग्री क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, ज्ञान आदान–प्रदान तथा क्षमता निर्माण के लिए एक रणनीतिक रूपरेखा स्थापित करना है।

एमओयू पर प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेश, सीएसआईआर–सीबीआरआई, रुड़की और डॉ. गौतम चटर्जी, वाइस प्रेसिडेंट, श्री सीमेंट लिमिटेड द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर

प्रो. एस. के. सिंह, साइंटिस्ट–जी, डॉ. एस. के. पाणिग्रही, प्रमुख–टैक्नोलॉजी बिज़नेस डेवलपमेंट ग्रुप, डॉ. गोविंद गौरव और शिवम (सीएसआईआर–सीबीआरआई), डॉ. शैलेश अग्रवाल, पूर्व ईडी, बीएमटीपीसी एवं आईआईटी रुड़की में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, तथा ईर. सुमत गुप्ता, ज़ोनल हेड–सेल्स एंड मार्केटिंग और मोहन झा, एसटीई हेड, श्री सीमेंट लिमिटेड उपस्थित थे।

समझौते के तहत, दोनों संगठन फ्लाई ऐश, जीजीबीएफएस, स्टील स्लैग और कॉपर स्लैग जैसे औद्योगिक उप–उत्पादों के सीमेंट कम्पोज़िट्स में उपयोग, परिपत्र अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों पर आधारित सतत सीमेंटयुक्त सामग्रियों के विकास, तथा निर्माण सामग्रियों में नैनोप्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर सहयोगात्मक अनुसंधान करेंगे। यह साझेदारी नवोन्मेषी निर्माण सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के विकास तथा व्यावसायीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण प्रोटोकॉल के निर्माण, और सीमेंट तथा कंक्रीट में उपयोग होने वाले औद्योगिक उप–उत्पादों के लिए परीक्षण विधियों के मानकीकरण पर भी केंद्रित होगी। इसके अतिरिक्त, सीएसआईआर–सीबीआरआई और श्री सीमेंट लिमिटेड तकनीकी बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों के माध्यम से ज्ञान के आदान–प्रदान को बढ़ावा देंगे। यह सहयोग आगे चलकर पारस्परिक रुचि के क्षेत्रों में संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों तथा शोध छात्रों के लिए फेलोशिप के अवसरों का भी समर्थन करेगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, दोनों संगठनों के प्रतिनिधियों ने निर्माण क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का समाधान करने तथा नवोन्मेषी, टिकाऊ और लागत–प्रभावी निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाने के लिए उद्योग–अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ करने के महत्व पर जोर दिया। इस साझेदारी से अनुसंधान परिणामों को व्यावहारिक अनुप्रयोगों में परिवर्तित करने में सुविधा मिलने की अपेक्षा है, जिससे भारतीय निर्माण और अवसंरचना पारितंत्र की प्रगति में योगदान होगा।

सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की और श्री सीमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम के बीच सतत भवन निर्माण सामग्रियों, प्रौद्योगिकी तथा उद्योग-प्रेरित अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर

• दैनिक राजस्थान दर्पण

कास (डॉ राकेश वशिष्ठ) ब्यूरो न्यूज नई दिल्ली। इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली स्थित सीबीआरआई दिल्ली केंद्र में सीएसआईआर- केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीबीआरआई), रुड़की और श्री सीमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसका उद्देश्य सीमेंट, निर्माण एवं भवन सामग्री क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, ज्ञान आदान-प्रदान तथा क्षमता निर्माण के लिए एक रणनीतिक रूपरेखा स्थापित करना है।

एमओयू पर प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की और डॉ. गौतम चटर्जी, वाइस प्रेसिडेंट, श्री सीमेंट लिमिटेड द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर प्रो. एस. के. सिंह, साइंटिस्ट-जी, डॉ. एस. के. पाणिग्रही, प्रमुख-टेक्नोलॉजी बिज़नेस डेवलपमेंट ग्रुप, डॉ. गोविंद गौरव और शिवम सोलंकी (सीएसआईआर-सीबीआरआई), डॉ. शैलेश अग्रवाल, पूर्व ईडी, बीएमटीपीसी एवं आईआईटी रुड़की में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, तथा ईर. सुमत गुप्ता, ज़ोनल हेड-सेल्स एंड मार्केटिंग और मोहन झा, एसटीई हेड, श्री सीमेंट लिमिटेड उपस्थित थे।

समझौते के तहत, दोनों संगठन फ्लाई ऐश, जीजीबीएफएस, स्टील स्लैग और कॉपर स्लैग जैसे औद्योगिक उप-उत्पादों के सीमेंट कंपोज़िट्स में उपयोग, परिपत्र अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों पर आधारित सतत सीमेंटयुक्त सामग्रियों के विकास, तथा निर्माण सामग्रियों में नैनोप्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर सहयोगात्मक अनुसंधान करेंगे।

यह साझेदारी नवोन्मेषी निर्माण सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के विकास तथा व्यावसायीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण प्रोटोकॉल के निर्माण, और सीमेंट तथा कंक्रीट में उपयोग होने वाले औद्योगिक उप-उत्पादों के लिए परीक्षण विधियों के मानकीकरण पर भी केंद्रित होगी।

इसके अतिरिक्त, सीएसआईआर-सीबीआरआई और श्री सीमेंट लिमिटेड तकनीकी बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों के माध्यम से ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे। यह सहयोग आगे चलकर पारस्परिक रुचि के क्षेत्रों में संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों तथा शोध छात्रों के लिए फेलोशिप के अवसरों का भी समर्थन करेगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, दोनों संगठनों के प्रतिनिधियों ने निर्माण क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का समाधान करने तथा नवोन्मेषी, टिकाऊ और लागत-प्रभावी निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाने के लिए उद्योग-अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ करने के महत्व पर जोर दिया। इस साझेदारी से अनुसंधान परिणामों को व्यावहारिक अनुप्रयोगों में परिवर्तित करने में सुविधा मिलने की अपेक्षा है, जिससे भारतीय निर्माण और अवसंरचना पारितंत्र की प्रगति में योगदान होगा।

उत्तराखंड

सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की और श्री सीमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम के बीच हुए एमओयू पर हस्ताक्षर

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली स्थित सीबीआरआई दिल्ली केंद्र में सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की और श्री सीमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसका उद्देश्य सीमेंट, निर्माण एवं भवन सामग्री क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, ज्ञान आदान-प्रदान तथा क्षमता निर्माण के लिए एक रणनीतिक रूपरेखा स्थापित करना है।

एमओयू पर प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की और डॉ. गौतम चटर्जी, वाइस प्रेसिडेंट, श्री सीमेंट लिमिटेड द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर प्रो. एसके सिंह साइंटिस्ट-जी, डॉ. एसके पाणिग्रही, प्रमुख-टेक्नोलॉजी बिजनेस डेवलपमेंट ग्रुप, डॉ. गोविंद गौरव और शिवम सोलंकी (सीएसआईआर-सीबीआरआई), डॉ. शैलेश अग्रवाल, पूर्व ईडी, बीएमटीपीसी एवं आईआईटी रुड़की में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, तथा ईर. सुमत गुप्ता, जोनल हेड-सेल्स एंड मार्केटिंग और मोहन झा, एसटीई हेड, श्री सीमेंट लिमिटेड उपस्थित रहे।

समझौते के तहत, दोनों संगठन फ्लाई ऐश, जीजीबीएफएस, स्टील स्लैग और कॉपर स्लैग जैसे औद्योगिक उप-उत्पादों के सीमेंट कंपोज़िट्स में उपयोग, परिपत्र अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों पर आधारित सतत सीमेंटयुक्त सामग्रियों के विकास तथा निर्माण सामग्रियों में नैनोप्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर सहयोगात्मक अनुसंधान करेंगे। यह साझेदारी नवोन्मेषी निर्माण सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के विकास तथा व्यावसायीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण प्रोटोकॉल के निर्माण, और सीमेंट तथा कंक्रीट में उपयोग होने वाले औद्योगिक उप-उत्पादों के लिए परीक्षण विधियों के मानकीकरण पर भी केंद्रित होगी।

इसके अतिरिक्त, सीएसआईआर-सीबीआरआई और श्री सीमेंट लिमिटेड तकनीकी बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों के माध्यम से ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे। यह सहयोग आगे चलकर पारस्परिक रुचि के क्षेत्रों में संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों तथा शोध छात्रों के लिए फेलोशिप के अवसरों का भी समर्थन करेगा। इस अवसर पर दोनों संगठनों के प्रतिनिधियों ने निर्माण क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का समाधान करने तथा नवोन्मेषी, टिकाऊ और लागत-प्रभावी निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाने के लिए उद्योग-अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ करने के महत्व पर जोर दिया। इस साझेदारी से अनुसंधान परिणामों को व्यावहारिक अनुप्रयोगों में परिवर्तित करने में सुविधा मिलने की अपेक्षा है, जिससे भारतीय निर्माण और अवसंरचना पारितंत्र की प्रगति में योगदान होगा।

4

रुड़की में तकनीकी विकास और क्षमता निर्माण पर जोर दिया

रुड़की, कार्यालय संवाददाता। देश में सतत भवन निर्माण सामग्रियों, आधुनिक तकनीक और उद्योग-प्रेरित अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में सीबीआरआई रुड़की और श्री सीमेंट लिमिटेड गुरुग्राम के बीच गुरुवार को इंडिया हैबिटेट सेंटर में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इसका मुख्य उद्देश्य सीमेंट, कंक्रीट और निर्माण सामग्री के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान, तकनीकी विकास, ज्ञान का आदान-प्रदान तथा क्षमता निर्माण के लिए एक मजबूत रूपरेखा तैयार करना है। इस एमओयू पर सीबीआरआई के निदेशक प्रो. आर. प्रदीप कुमार और श्री सीमेंट लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. गौतम चटर्जी ने हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत दोनों संगठन पर्यावरण के अनुकूल निर्माण तकनीकों को विकसित करेंगे।

इसके तहत फ्लाई ऐश, जीजीबीएफएस, स्टील स्लैग और कॉपर स्लैग जैसे औद्योगिक कचरे का सीमेंट कंपोज़िट्स में प्रभावी उपयोग करना, निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता और मजबूती बढ़ाने के लिए नैनोप्रौद्योगिकी का इस्तेमाल सीमेंट और कंक्रीट में इस्तेमाल होने वाले औद्योगिक उप-उत्पादों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण प्रोटोकॉल और नई परीक्षण विधियों का निर्धारण करना आदि शामिल है।

भवन सामग्री, प्रौद्योगिकी व उद्योग प्रेरित अनुसंधान को मिलेगा बढ़ावा

एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद दोनों संस्थानों के पदाधिकारी • सहाय सीबीआरआइ

जागरण संवाददाता, रुड़की : केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान और श्री सीमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम भवन निर्माण सामग्रियों, प्रौद्योगिकी व उद्योग प्रेरित अनुसंधान को बढ़ावा देंगे। दोनों संस्थानों ने इसके लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इंडिया हैबिटेट सेंटर लोधी रोड, नई दिल्ली स्थित सीबीआरआइ दिल्ली केंद्र में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। एमओयू पर सीएसआइआर-सीबीआरआइ के निदेशक प्रो.आर प्रदीप कुमार व श्री सीमेंट लिमिटेड के उपाध्यक्ष डा.गौतम चटर्जी ने हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत दोनों संगठन फ्लाई ऐश, जीजीबीएफएस, स्टील स्लैग और कापर स्लैग जैसे औद्योगिक उप-उत्पादों के सीमेंट कंपोजिट्स में उपयोग, परिपत्र अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों पर आधारित सतत सीमेंटयुक्त सामग्रियों के विकास तथा निर्माण सामग्रियों में नैनोप्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर सहयोगात्मक अनुसंधान करेंगे। यह साझेदारी नवोन्मेषी निर्माण सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के विकास तथा व्यावसायीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण प्रोटोकाल के निर्माण, सीमेंट तथा कंक्रीट में उपयोग होने वाले औद्योगिक उप-उत्पादों के लिए परीक्षण विधियों के मानकीकरण पर भी केंद्रित होगी। इसके अतिरिक्त सीएसआइआर-सीबीआरआइ और श्री सीमेंट लिमिटेड तकनीकी बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों के माध्यम से ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे। यह सहयोग आगे चलकर पारस्परिक रुचि के क्षेत्रों में संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों तथा शोध छात्रों के लिए फेलोशिप के अवसरों का भी समर्थन करेगा। इस अवसर पर प्रो. एसके सिंह, डा. एसके पाणिग्रही, डा. गोविंद गौरव और शिवम सोलंकी, डा.शैलेश अग्रवाल, सुमत गुप्ता व मोहन झा आदि रहे।

सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की और श्री सीमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम के बीच हुए एमओयू पर हस्ताक्षर

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली स्थित सीबीआरआई दिल्ली केंद्र में सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की और श्री सीमेंट लिमिटेड, गुरुग्राम के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसका उद्देश्य सीमेंट, निर्माण एवं भवन सामग्री क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, ज्ञान आदान-प्रदान तथा क्षमता निर्माण के लिए एक रणनीतिक रूपरेखा स्थापित करना है।

एमओयू पर प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की और डॉ. गौतम चटर्जी, वाइस प्रेसिडेंट, श्री सीमेंट लिमिटेड द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर प्रो. एसके सिंह साइंटिस्ट-जी, डॉ. एसके पाणिग्रही, प्रमुख-टेक्नोलॉजी बिजनेस डेवलपमेंट ग्रुप, डॉ. गोविंद गौरव और शिवम सोलंकी (सीएसआईआर-सीबीआरआई), डॉ. शैलेश अग्रवाल, पूर्व ईडी, बीएमटीपीसी एवं आईआईटी रुड़की में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, तथा ईर. सुमत गुप्ता, जोनल हेड-सेल्स एंड मार्केटिंग और मोहन झा, एसटीई हेड, श्री सीमेंट लिमिटेड उपस्थित रहे।

समझौते के तहत, दोनों संगठन फ्लाई ऐश, जीजीबीएफएस, स्टील स्लैग और कॉपर स्लैग जैसे औद्योगिक उप-उत्पादों के सीमेंट कंपोज़िट्स में उपयोग, परिपत्र अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों पर आधारित सतत सीमेंटयुक्त सामग्रियों के विकास, तथा निर्माण सामग्रियों में नैनोप्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर सहयोगात्मक अनुसंधान करेंगे। यह साझेदारी नवोन्मेषी निर्माण सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के विकास तथा व्यावसायीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण प्रोटोकॉल के निर्माण, और सीमेंट तथा कंक्रीट में उपयोग होने वाले औद्योगिक उप-उत्पादों के लिए परीक्षण विधियों के मानकीकरण पर भी केंद्रित होगी।

इसके अतिरिक्त, सीएसआईआर-सीबीआरआई और श्री सीमेंट लिमिटेड तकनीकी बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों के माध्यम से ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे। यह सहयोग आगे चलकर पारस्परिक रुचि के क्षेत्रों में संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों तथा शोध छात्रों के लिए फेलोशिप के अवसरों का भी समर्थन करेगा। इस अवसर पर दोनों संगठनों के प्रतिनिधियों ने निर्माण क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का समाधान करने तथा नवोन्मेषी, टिकाऊ और लागत-प्रभावी निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाने के लिए उद्योग-अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ करने के महत्व पर जोर दिया। इस साझेदारी से अनुसंधान परिणामों को व्यावहारिक अनुप्रयोगों में परिवर्तित करने में सुविधा मिलने की अपेक्षा है, जिससे भारतीय निर्माण और अवसंरचना पारितंत्र की प्रगति में योगदान होगा।

4

दृष्टि से रुड़की नहीं रुड़की ही उचित

Edit PDF Comment Highlight Draw Fill & Sign More tools

CSIR-CBRI in the Limelight | 18.06.2026

उपलब्धि

प्रदूषण घटा, पीसीबी ने आधुनिक चिमनियों का लक्ष्य पूरा किया

जिग-जैग तकनीक से बदली ईंट-भट्ठों की तस्वीर

संवाद न्यूज एजेंसी

रुड़की। प्रदूषण नियंत्रण और ईंटों की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से ईंट-भट्ठों में लागू की गई जिग-जैग तकनीक क्षेत्र में वरदान साबित हो रही है।

इससे लंढौरा और आसपास के क्षेत्रों में संचालित 190 ईंट-भट्ठों में पुरानी चिमनियों को हटाकर आधुनिक तकनीक आधारित चिमनियां स्थापित कर दी गई हैं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद न केवल वायु प्रदूषण में कमी आई है बल्कि अव्वल श्रेणी (सुपर क्वालिटी) की ईंटों के उत्पादन में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी राजेंद्र सिंह कठैत ने बताया कि 2019 से भट्ठों में नई तकनीक का इस्तेमाल शुरू हुआ था। प्रदूषण कम करने के लिए नई तकनीक की चिमनी का उपयोग अनिवार्य किया गया था।

लंढौरा स्थित ईंट-भट्ठा। - संवाद

तकनीक के लिए प्रत्येक भट्ठे को खर्च करने पड़े 20 लाख

जिग-जैग तकनीक ईंट-भट्ठों में इस्तेमाल होने वाली एक आधुनिक प्रणाली है जिसमें गर्म हवा और धुएं का प्रवाह जिग-जैग रास्ते से कराया जाता है। इससे ईंधन का बेहतर उपयोग होता है। प्रदूषण कम फैलता है और अधिक संख्या में उच्च गुणवत्ता (अव्वल) की ईंटों का उत्पादन होता है। इस तकनीक को लागू करने में करीब 20 लाख रुपये प्रति भट्ठा लागत आई है।

खास खबर

सीबीआरआई की जिग-जैग तकनीक का इसमें प्रयोग किया जा रहा है। अब इसमें संशोधित तकनीक के तहत गोल के बजाय चौकोर चिमनी का उपयोग हो रहा है।

सभी भट्ठों में नई तकनीक के लक्ष्य को पूरा कर लिया गया है। इस महत्वपूर्ण बदलाव से ईंट उत्पादन में बड़ा सुधार आया है। अब 90 से 95 फीसदी तक अव्वल गुणवत्ता वाली ईंटें बनने लगी हैं। पहले यह आंकड़ा केवल 60 से 65 फीसदी तक ही सीमित था। इसके अतिरिक्त, ईंधन की खपत में भी 20 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। यह पर्यावरण और आर्थिक दोनों दृष्टियों से लाभकारी है।

190

भट्ठों में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल, 20 प्रतिशत तक कम हुई ईंधन की खपत

तकनीक के लाभ : नई तकनीक से ईंटों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अव्वल श्रेणी की ईंटों का उत्पादन लगभग दोगुना हो गया है। इससे भट्ठा मालिकों को बाजार में बेहतर उत्पाद बेचने में मदद मिल रही है। साथ ही ईंधन की बचत से उनकी परिचालन लागत भी काफी कम हुई है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई है।

IIT-CBRI MoU for research in sustainable infra

PNS ■ Bhubaneswar

Strengthening collaboration between academia and scientific research institutions, the Indian Institute of Technology (IIT) Bhubaneswar and CSIR-Central Building Research Institute (CSIR-CBRI) Roorkee, have signed a Memorandum of Understanding (MoU) to advance research, innovation and capacity building in civil engineering, sustainable infrastructure and building sciences.

The agreement was signed on June 15 by IIT Bhubaneswar Director Prof Shreepad Karmalkar, and CSIR-CBRI Director Prof R Pradeep Kumar. Senior officials from both institutions,

including Prof V Pandu Ranga, Prof Sumanta Haldar, Dr DP Kanungo, Dr SK Panigrahi and Dr Kishor Kulkarni, were present.

The partnership aims to leverage the expertise and resources of both institutions to advance research and develop skilled manpower in structural engineering, geotechnical engineering, engineering geology, architecture and planning, environmental engineering, disaster mitigation and sustainable construction technologies.

Under the MoU, the institutions will undertake joint research projects, organise conferences and seminars, facilitate student and faculty internships, jointly guide student projects and research work, and share laboratory facilities, software resources and research infrastructure.

Karmalkar said the collaboration would create new opportunities for students, researchers and faculty members to work on nationally relevant challenges and contribute to the development of resilient and sustainable infrastructure. Pradeep Kumar said the partnership would combine the strengths of both institutions to promote high-quality research and innovation in building science and technology.

CSIR-CBRI, a premier national laboratory under the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR), is known for its work in building materials, housing, structural engineering, energy-efficient buildings, fire safety and disaster mitigation. The MoU will remain effective for five years and is expected to foster long-term collaboration in research, innovation and skill development for India's infrastructure sector.

CSIR-CBRI in the Limelight | 17.06.2026

देहरादून, बुधवार
17 जून, 2026
हरिद्वार संस्करण *
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 20+4=24
www.jagran.com
दैनिक जागरण
उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

स्पेसएक्स ने बाजार पूंजीकरण में बेजोस की एमेजोन को पीछे छोड़ा 15
सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा भारत 17

CBRI LIBRARY ROORKEE

परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए गुणवत्ता, समयबद्धता पर दिया बल

आइएचसी नई दिल्ली में सीसीएस भवन-आठ और नौ के निर्माण को थर्ड पार्टी क्वालिटी एश्योरेंस व तकनीकी सेवाओं के लिए हुई किक-आफ बैठक

जागरण संवाददाता, रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की ने नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर (आइएचसी) में सीसीएस भवन-8 एवं 9 के निर्माण के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी एश्योरेंस (टीपीक्यूए) एवं तकनीकी सेवाओं के लिए किक-आफ बैठक का आयोजन किया, जिसमें प्रतिभागियों ने सीसीएस भवन-8 एवं 9 परियोजना को गुणवत्ता, पारदर्शिता, सुरक्षा एवं तकनीकी उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों के अनुरूप पूर्ण करने की प्रतिबद्धता दोहराई। यह परियोजना केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) दिल्ली ने सीबीआरआइ रुड़की को सौंपी है।

सीबीआरआइ रुड़की ने गुणवत्ता, सुरक्षा और उत्कृष्टता सुनिश्चित करने की दिशा में सीसीएस भवन-8 एवं 9 परियोजना को टीपीक्यूए कार्य किया शुभारंभ

संस्थान इससे पूर्व भी सेवाएं कर चुका है प्रदान

सीबीआरआइ रुड़की के निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार ने बताया कि संस्थान इससे पूर्व भी सीसीएस भवन-6 एवं 7 के निर्माण कार्यों के लिए सेवाएं प्रदान कर चुका है। अब भवन-8 एवं 9 परियोजना में गुणवत्ता, सुरक्षा एवं तकनीकी उत्कृष्टता सुनिश्चित करने में अपनी विशेषज्ञता प्रदान करेगा।

नई दिल्ली स्थित आइएचसी में सीसीएस भवन-8 एवं 9 के निर्माण के लिए टीपीक्यूए एवं तकनीकी सेवाओं को लेकर सीबीआरआइ रुड़की की ओर से आयोजित बैठक में मंच पर उपस्थित अतिथि व विज्ञानी ■ साभार सीबीआरआइ

सीपीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता निष्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते (सिविल) रामनाथ राम एवं मुख्य पर बल दिया। वहीं सीबीआरआइ अभियंता (इलेक्ट्रिकल) एनके बंसल रुड़की के निदेशक प्रो. आर प्रदीप ने परियोजना के सफल क्रियान्वयन के कुमार ने बड़े सार्वजनिक अवसंरचना लिए गुणवत्ता, सुरक्षा तथा समयबद्ध परियोजनाओं में गुणवत्ता आश्वासन एवं तकनीकी निगरानी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कठोर गुणवत्ता नियंत्रण उपाय किसी भी महत्वपूर्ण निर्माण परियोजना की सुरक्षा, टिकाऊपन और दीर्घकालिक प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत सीबीआरआइ निर्माण गतिविधियों, निर्माण सामग्री, कार्य निष्पादन तथा स्वीकृत ड्राइंग, विनिर्देशों, बीआइएस मानकों और संविदात्मक प्रावधानों के अनुपालन का स्वतंत्र निरीक्षण एवं सत्यापन करेगा। कार्यक्षेत्र में गुणवत्ता निगरानी, सघट्ट निरीक्षण, निर्माण सामग्री परीक्षण, प्रयोगशाला परीक्षण परिणामों की समीक्षा, विसंगतियों की पहचान एवं सुधारात्मक उपायों की अनुशंसा के साथ-साथ तकनीकी परामर्श, निर्माण पद्धतियों का मूल्यांकन तथा गुणवत्ता नियंत्रण प्रणालियों की निगरानी भी शामिल है, ताकि परियोजना के पूरे जीवनचक्र में संरचनात्मक सुरक्षा, स्थायित्व, प्रदर्शन एवं मानक अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। सीपीडब्ल्यूडी के कार्यपालक अभियंता विशाल कुमार ने भौलाना आजाद रोड स्थित सीसीएस भवन-8 एवं 9 परियोजना का परिचय प्रस्तुत किया। सीबीआरआइ दिल्ली केंद्र प्रमुख वैज्ञानी प्रो. एसके सिंह ने 'निर्माण क्षेत्र में टीपीक्यूए एवं तकनीकी सेवाएं, चुनौतियां और मुद्दे" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने भवनों की डिजाइन अवस्था से ही अग्नि सुरक्षा उपायों को शामिल करने, जोखिम-आधारित अग्नि सुरक्षा दृष्टिकोण अपनाने तथा प्रभावी रोकथाम, तैयारी और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों के माध्यम से भवनों की सुरक्षा एवं लचीलापन बढ़ाने पर जोर दिया। समापन सत्र में टीपीक्यूए कार्यशैला, बेहतर निर्माण पद्धतियों तथा परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित चर्चा की गई। कार्यक्रम में सीबीआरआइ के विज्ञानी डा. गोविंद गौरव, डा. अजय चौरसिया, डा. नीरज जैन, डा. सौमित्र मौती, किर्गी सैनी आदि ने भाग लिया।

अमर उजाला

संयुक्त राष्ट्र केवल अस्थायी श्रेणी बढ़ाने से सुरक्षा परिषद में सुधार विफल रहेंगे

सीबीआरआई ने शुरू किया टीपीक्यूए कार्य

रुड़की। सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई), रुड़की ने नई दिल्ली स्थित मौलाना आजाद रोड पर प्रस्तावित सीसीएस भवन-8 एवं 9 के निर्माण कार्यों के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी एश्योरेंस (टीपीक्यूए) एवं तकनीकी सेवाओं का शुभारंभ कर दिया है। इस संबंध में 16 जून को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में किक-ऑफ बैठक आयोजित की गई। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) की ओर से सीबीआरआई को सौंपी गई इस परियोजना में संस्थान गुणवत्ता, सुरक्षा और तकनीकी मानकों की स्वतंत्र निगरानी करेगा। कार्यक्रम में सीपीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता (सिविल) रामनाथ राम और मुख्य अभियंता (इलेक्ट्रिकल) एनके बंसल ने गुणवत्ता, सुरक्षा और समयबद्ध निर्माण को परियोजना की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। सीबीआरआई के निदेशक प्रो. आर. प्रदीप कुमार ने कहा कि बड़े सार्वजनिक निर्माण कार्यों में गुणवत्ता आश्वासन और तकनीकी निगरानी अत्यंत आवश्यक है। संवाद

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

पेज-14

सीबीआरआई ने शुरू की गुणवत्ता निगरानी सेवाएं

रुड़की, कार्यालय संवाददाता। केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) ने मंगलवार को नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में सीसीएस भवन-8 और 9 परियोजना के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी एश्योरेंस तकनीकी सेवाओं के शुभारंभ के लिए बैठक आयोजित की।

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा सीबीआरआई को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले भी सीबीआरआई सीसीएस भवन-6 एवं 7 परियोजनाओं में सफलतापूर्वक इसी प्रकार की सेवाएं प्रदान कर चुका है।

मुख्य अतिथि के रूप में सीपीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता (सिविल) रामनाथ राम और मुख्य अभियंता (इलेक्ट्रिकल) एन.के. बंसल उपस्थित रहे। उन्होंने परियोजना के समयबद्ध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन पर विशेष बल दिया।

■ सीसीएस भवन-8 और 9 परियोजना में सुरक्षा सुनिश्चित करेगा

सीबीआरआई के निदेशक प्रो. आर. प्रदीप कुमार ने कहा कि किसी भी बड़े सार्वजनिक निर्माण कार्य में गुणवत्ता नियंत्रण और तकनीकी निगरानी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत सीबीआरआई निर्माण कार्यों, सामग्री, कार्य निष्पादन तथा स्वीकृत ड्राइंग, बीआईएस मानकों और संविदात्मक प्रावधानों के अनुपालन की स्वतंत्र जांच करेगा। इसके साथ ही गुणवत्ता निगरानी, सामग्री परीक्षण, प्रयोगशाला रिपोर्टों की समीक्षा, तकनीकी परामर्श और निर्माण पद्धतियों का मूल्यांकन भी किया जाएगा। प्रो. एस.के. सिंह ने निर्माण क्षेत्र में टीपीक्यूए सेवाओं की चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

CSIR-CBRI in the Limelight | 11.06.2026

अमर उजाला

न्यूज डायरी

छात्राओं ने सीखे आपदा प्रबंधन के गुर

रुड़की में सीबीआरआई में अग्निशमन उपकरण चलाना सीखतीं छात्राएं। स्रोत : स्वयं

रुड़की। मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज की छात्राओं के लिए सीबीआरआई में आयोजित तीन दिवसीय स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (आपदा प्रबंधन) का बुधवार को समापन हो गया। कार्यशाला के अंतिम दिन छात्राओं ने आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की। डॉ. देव दत्ता घोष ने सुनामी के प्रभाव, संरचना और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना शहरीकरण के उपायों पर प्रकाश डाला। सागर तोमर ने कूलिंग मैकेनिज्म की जानकारी दी। इंजीनियर कौशिक पंडित ने भूकंपीय जोन, खतरे के आकलन और एपिसेंटर की पहचान की प्रक्रिया समझाई। वहीं इंजीनियर सिद्धार्थ बेहरा ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में चक्रवातों से सुरक्षित आवास के मुद्दों और समाधानों पर चर्चा की। छात्राओं को अग्निशमन यंत्र के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया और एग्जीबिशन हॉल का भ्रमण कराया गया। इस मौके पर डॉ. आयशा फरहीन, अंकित सेठी और डॉ. पुष्पांजलि आदि मौजूद रहे। संवाद

दैनिक जागरण

चुनौतियों के समाधान में योगदान को किया प्रेरित

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ पर विचार रखते संस्थान के निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार • संस्थान

जागरण संवाददाता, रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) रुड़की में 'आपदा प्रबंधन में नरी सशक्तीकरण की पहल' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण, आपदा पूर्व तैयारी तथा आपदा की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना रहा।

सीबीआरआई परिसर में कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कालेज की 40 छात्राओं ने प्रतिभाग कर विषय विशेषज्ञों से आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की। उद्घाटन सत्र में संस्थान के निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार ने छात्राओं को वैज्ञानिक सोच, नवाचार और अनुसंधान के माध्यम से समाज की चुनौतियों के समाधान में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन केवल आपदा के बाद की प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि जोखिम न्यूनीकरण, तैयारी और सुरक्षित अवसंरचना निर्माण के माध्यम से आपदाओं के प्रभाव को कम करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संस्थान प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने तथा सुरक्षित एवं सुदृढ़ भवनों और अवसंरचनाओं के विकास के लिए निरंतर अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। कार्यक्रम के प्रशिक्षक प्रो. डीसी श्रीवास्तव ने विभिन्न प्रकार की आपदाओं, उनके सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों तथा आपदा प्रबंधन में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता एवं व्यावहारिक कौशल के विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस मौके पर वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानी डा. नीरज जैन ने संस्थान की ओर से संचालित इंटीग्रेटेड स्किल इनिशिएटिव कार्यक्रम की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानी डा. अनिंद्य पैन ने कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्यों एवं अपेक्षित परिणामों की जानकारी साझा की। इस मौके पर डा. पुष्पांजलि, डा. आयशा फरीन, अंकिता सेठी आदि उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

P-13

आपदा प्रबंधन और कौशल विकास बारीकियां बताईं

रुड़की, संवाददाता। सीबीआरआई में आपदा प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रतिभागियों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण, शमन रणनीतियों तथा आपदा-रोधी अवसंरचना के बारे में बताया गया।

निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार के संरक्षण में आयोजित कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डॉ. नीरज जैन तथा डॉ. अनिंद्य पैन ने समन्वयक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के विशेषज्ञों ने प्राकृतिक आपदाओं, भूस्खलन, भूकंप चेतावनी प्रणाली, सुनामी प्रभाव, शहरी ऊष्मा द्वीप, हिमस्खलन निगरानी, भवनों में अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुदृढ़ीकरण, चक्रवात-रोधी आवास, पुनर्निर्माण एवं पुनर्वास सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान और संवादात्मक सत्र आयोजित किए। विशेषज्ञों ने आपदा जोखिमों को कम करने तथा निर्मित पर्यावरण की लचीलापन क्षमता बढ़ाने में वैज्ञानिक अनुसंधान, अभियांत्रिकी समाधान और तकनीकी नवाचारों की भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को जोखिम आकलन, संरचनात्मक सुरक्षा, निगरानी प्रौद्योगिकियों और आपदा तैयारी के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी गई। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने कार्यक्रम से प्राप्त अनुभव साझा किए और इसे अत्यंत उपयोगी बताया।

हिन्दुस्तान

www.livehindustan.com

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

P-15

छात्राओं ने सीखी आपदा से निपटने की तकनीक

रुड़की। मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज, रुड़की की छात्राओं के लिए सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की में तीन दिवसीय स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (आपदा प्रबंधन) का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस पर छात्राओं ने आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों के व्याख्यान सुने और उपयोगी जानकारी प्राप्त की

CSIR-CBRI in the Limelight | 06.06.2026

'प्लास्टिक प्रदूषण गंभीर चुनौती, प्रकृति का संरक्षण करना साझा जिम्मेदारी'

- सीबीआरआइ रुड़की में संगोष्ठी का आयोजन किया गया
- जलवायु सुधार हेतु वैश्विक पुकार विषय पर की चर्चा

सीबीआरआइ रुड़की में 'जलवायु सुधार हेतु वैश्विक पुकार' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विचार रखतीं वक्ता • साधारण संस्थान

जागरण संवाददाता, रुड़की: विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की में "जलवायु सुधार हेतु वैश्विक पुकार" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विज्ञानियों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

संस्थान में शुक्रवार को कार्यक्रम की शुरुआत पौधारोपण से हुई। मुख्य अतिथि अल्ट्राइस्ट टेक्नोलाजीज प्राइवेट लिमिटेड, पंचकुला और आइ हेट पालीथिन अभियान के संस्थापक अनुज अग्रवाल ने प्लास्टिक प्रदूषण को गंभीर चुनौती बताते हुए एकल उपयोग प्लास्टिक के स्थान पर पर्यावरण हितैषी विकल्प अपनाने की अपील की।

वक्ता पूजा अग्रवाल ने भी प्रकृति संरक्षण को सभी की साझा जिम्मेदारी बताते हुए पालीथिन के उपयोग को कम करने का आह्वान किया। सीबीआरआइ के निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण मानव अस्तित्व और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अनिवार्य है। आइआइटी रुड़की के प्रोफेसर नवनीत अरोड़ा ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और व्यक्तिगत जिम्मेदारी पर विचार रखे। इस मौके पर राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रुड़की के वैज्ञानिक डा. सुहास खोबरागड़े, वरिष्ठ प्रधान विज्ञानी डा. आरके वर्मा, डा. नीरज जैन आदि लोग उपस्थित रहे।

सीएसआईआर-सीबीआरआई रुड़की में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजनः जलवायु सुधार की आवश्यकता पर आयोजित किया कार्यक्रम

रुड़की (दैनिक हाक): विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सीएसआईआर, केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की के रवीन्द्रनाथ टैगोर सभागार में शुक्रवार को "जलवायु सुधार हेतु वैश्विक पुकार" विषय पर एक का आयोजन

सीएसआईआर- सीबीआरआई, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान तथा बेटर लाइफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, रुड़की के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता फैलाना तथा सतत विकास के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान परिसर में वृक्षारोपण से हुआ, जिसमें सीबीआरआई के निदेशक, मुख्य अतिथि, विशिष्ट वक्ता तथा वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। डॉ. आर.के. वर्मा, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीबीआरआई, ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुज अग्रवाल, अल्टूइस्ट टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., पंचकुला तथा "आई हेट पॉलीथीन" अभियान के संस्थापक ने अपने संबोधन में प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीरता पर चर्चा करते हुए पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एकल-उपयोग प्लास्टिक के स्थान पर टिकाऊ और पर्यावरण हितैषी विकल्पों को अपनाना समय की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि की धर्मपत्नी पूजा अग्रवाल ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपने संबोधन में कहा कि प्रकृति मानव जीवन का आधार है और इसकी सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पॉलीथीन के बढ़ते उपयोग से पर्यावरण को होने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से इसके उपयोग को कम करने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने सभी आगुतकों से एकल प्लास्टिक का उपयोग ना करने अवाम पर्यावरण संरक्षण की सपथ दिलाई।

प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीबीआरआई ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। उन्होंने प्रकृति के साथ संतुलित विकास की दिशा में सीबीआरआई द्वारा किए गए सामूहिक प्रयासों जैसे की जलवायु प्रतिरोधी इमारतें, अपशिष्ट से निर्माण सामग्री एवं अन्य अनुसंधानों की चर्चा करते हुए उत्तरदायी जीवनशैली अपनाने पर बल दिया। डॉ. नीरज जैन, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, ने कार्यक्रम के विशिष्ठ वक्ता डॉ नवनीत अरोड़ा, प्रोफेसर, आईआईटी रुड़की एवं संस्थापक बेटर लाइफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, रुड़की, का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने अपने विचारोत्तेजक व्याख्यान में जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों, पर्यावरणीय संतुलन तथा व्यक्तिगत विकास, जीवन मूल्य तथा सामाजिक उत्थान के क्षेत्र मे अपने मार्गदर्शन दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की जागरूकता और जिम्मेदार व्यवहार से ही वास्तविक परिवर्तन संभव है। डॉ. सुहाश खोबरा गड़े, वैज्ञानिक-जी एवं समूह प्रमुख, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की ने जल संसाधनों के संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के समाधान में समन्वित प्रयासों की अहम भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर भारतीय ज्ञान प्रणाली, आईआईटी रुड़की के विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अपने विचार साझा किए, और सीबीआरआई स्टाफ के बच्चों द्वारा प्रस्तुत पर्यावरण गीत ने प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का यह आयोजन इस संदेश के साथ सम्पन्न हुआ कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक संकल्प, जन-जागरूकता तथा निरंतर प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम ने पुनः यह स्मरण कराया कि पृथ्वी की सुरक्षा और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। इस अवसर पर अखिलेश वर्मा अध्यक्ष, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), रुड़की, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान से पधारे वैज्ञानिक गण, बेटर लाइफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट और सीबीआरआई के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

रुड़की में विश्व पर्यावरण दिवस का हुआ आयोजन

Ram gopal saini June 05, 2026

जीवन अनमोल है , इसे आत्महत्या कर नष्ट नहीं करें !

सुबह की शुरुआत माता-पिता के चरण स्पर्श से करें !

अब सिर्फ 150 रुपए में साल भर घर मंगवाएँ "संस्कार सृजन" न्यूज़ पेपर !

संस्कार सृजन @ राम गोपाल सैनी

रुड़की (संस्कार सृजन) विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर सीएसआईआर–केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की के रवीन्द्रनाथ टैगोर सभागार में 5 जून 2026 को "जलवायु सुधार हेतु वैश्विक पुकार" विषय पर एक का आयोजन सीएसआईआर–सीबीआरआई, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान तथा बेटर लाइफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, रुड़की के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

सीएसआईआर–सीबीआरआई, रुड़की में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन : जलवायु सुधार की आवश्यकता"

• दैनिक राजस्थान दर्पण

कास (डॉ राकेश वशिष्ठ) ब्यूरो न्यूज रुड़की। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर सीएसआईआर–केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की के रवीन्द्रनाथ टैगोर सभागार में 5 जून 2026 को "जलवायु सुधार हेतु वैश्विक पुकार" विषय पर एक का आयोजन सीएसआईआर–सीबीआरआई, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान तथा बेटर लाइफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, रुड़की के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता फैलाना तथा सतत विकास के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान परिसर में वृक्षारोपण से हुआ, जिसमें सीबीआरआई के निदेशक, मुख्य अतिथि, विशिष्ट वक्ता तथा वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। डॉ. आर.के. वर्मा, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीबीआरआई, ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अनुज अग्रवाल, अल्ट्राइस्ट टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., पंचकुला तथा "आई हेट पॉलीथीन" अभियान के संस्थापक ने अपने संबोधन में प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीरता पर चर्चा करते हुए पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एकल-उपयोग प्लास्टिक के स्थान पर टिकाऊ और पर्यावरण हितैषी विकल्पों को अपनाना समय की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि की धर्मपत्नी श्रीमती पूजा अग्रवाल ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपने संबोधन में कहा कि प्रकृति मानव जीवन का आधार है और इसकी सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पॉलीथीन के बढ़ते उपयोग से पर्यावरण को होने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से इसके उपयोग को कम करने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने सभी आगुतकों से एकल प्लास्टिक का उपयोग ना करने अवाम पर्यावरण संरक्षण की सपथ दिलाई।

प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीबीआरआई ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। उन्होंने प्रकृति के साथ संतुलित विकास की दिशा में सीबीआरआई द्वारा किए गए सामूहिक प्रयासों जैसे की जलवायु प्रतिरोधी इमारतें, अपशिष्ट से निर्माण सामग्री एवं अन्य अनुसंधानों की चर्चा करते हुए उत्तरदायी जीवनशैली अपनाने पर बल दिया ।

डॉ. नीरज जैन, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, ने कार्यक्रम के विशिष्ठ वक्ता डॉ नवनीत अरोड़ा, प्रोफेसर, आईआईटी रुड़की एवं संस्थापक बेटर लाइफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, रुड़की, का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने अपने विचारोत्तेजक व्याख्यान में जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों, पर्यावरणीय संतुलन तथा व्यक्तिगत विकास, जीवन मूल्य तथा सामाजिक उत्थान के क्षेत्र मे अपने मार्गदर्शन दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की जागरूकता और जिम्मेदार व्यवहार से ही वास्तविक परिवर्तन संभव है।

डॉ. सुहाश खोबरा गड़े, वैज्ञानिक-G एवं समूह प्रमुख, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की ने जल संसाधनों के संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के समाधान में समन्वित प्रयासों की अहम भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर भारतीय ज्ञान प्रणाली, आईआईटी रुड़की के विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अपने विचार साझा किए, और सीबीआरआई स्टाफ के बच्चों द्वारा प्रस्तुत पर्यावरण गीत ने प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का यह आयोजन इस संदेश के साथ सम्पन्न हुआ कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक संकल्प, जन-जागरूकता तथा निरंतर प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम ने पुनः यह स्मरण कराया कि पृथ्वी की सुरक्षा और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। इस अवसर पर श्री अखिलेश वर्मा अध्यक्ष, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), रुड़की, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान से पधारे वैज्ञानिक गण, बेटर लाइफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट और सीबीआरआई के सभी सदस्य आदि उपस्थित रहे।

भवन संरक्षण, संरचनात्मक सुरक्षा व कीट प्रबंधन के बारे में दी जानकारी

- सीबीआरआइ में भवनों में दीमक एवं कीट प्रबंधन विषय पर आयोजित किया प्रशिक्षण
- आठ राज्यों से आए करीब 32 अधिकारियों, तकनीक विशेषज्ञों व पेशेवर प्रतिभागियों ने लिया भाग

सीबीआरआइ रुड़की में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रतिभागी को प्रमाण पत्र देते निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार • संस्थान

जागरण संवाददाता, रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को भवन संरक्षण, संरचनात्मक सुरक्षा व पर्यावरण-अनुकूल कीट प्रबंधन उपायों से संबंधित व्यावहारिक एवं तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराया गया, जिससे उन्हें भवनों के सुरक्षित व दीर्घकालिक संरक्षण के लिए प्रभावी तकनीकों की बेहतर समझ प्राप्त हुई।

शुक्रवार को "भवनों में दीमक एवं कीट प्रबंधन" के समापन समारोह में संस्थान के निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाने, व्यावसायिक दक्षता विकसित करने व भवनों के सुरक्षित व सतत अनुरक्षण को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान, तकनीकों व अनुभवों का व्यावहारिक जीवन एवं कार्यक्षेत्र में प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

नोडल अधिकारी डा. नीरज जैन ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान आयोजित विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा दीमक की पहचान, संक्रमण के प्रमुख कारण, रोकथाम के उपाय, रासायनिक एवं गैर-रासायनिक उपचार तकनीकों, भवन निर्माण के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा विधियों तथा भवनों के दीर्घकालिक रखरखाव से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के आठ राज्यों से आए लगभग 32 अधिकारियों, तकनीक विशेषज्ञों व पेशेवर प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। इस दौरान समन्वयक डा. राजेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

CSIR-CBRI in the Limelight | 21.05.2026

राहत मिल सके।

आए। बिजली न होने के कारण सिर्फ प्रयास नहीं किया था।

दीमक और कीट प्रबंधन का दिया प्रशिक्षण

- सीबीआरआइ रुड़की में भवनों में दीमक एवं कीट प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू
- इसमें कीटों की पहचान, निवारक उपाय, निरीक्षण पद्धतियां, उपचार तकनीकें को किया गया शामिल

सीबीआरआइ रुड़की में कार्यक्रम को संबोधित करते संस्थान के निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार और उपस्थित प्रतिभागी ● संस्थान

जागरण संवाददाता, रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की में "भवनों में दीमक एवं कीट प्रबंधन" विषय पर तीन दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भवनों एवं आधारभूत संरचनाओं में दीमक एवं कीट प्रबंधन से संबंधित व्यावसायिक ज्ञान व तकनीकी दक्षता को सुदृढ़ करना है।

कार्यक्रम के उद्घाटन पर सीबीआरआइ रुड़की के निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम व्यावसायिक दक्षताओं को सशक्त बनाने व उद्योगोन्मुख ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने भवन विज्ञान, आधारभूत संरचना सुरक्षा एवं सतत प्रौद्योगिकियों से संबंधित व्यावहारिक चुनौतियों के समाधान के लिए अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण को व्यावसायिक विकास, व्यावहारिक अधिगम एवं ज्ञान-साझाकरण के अवसर के रूप में उपयोग करने की बात कही। साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के साथ सक्रिय संवाद स्थापित करने, जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। भवन रखरखाव एवं अभियंत्रण सेवाओं के प्रमुख एवं प्रशिक्षण समन्वयक वरिष्ठ प्रधान विज्ञानी डा. आरके वर्मा ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कीटों की पहचान, निवारक उपाय, निरीक्षण पद्धतियां, आधुनिक उपचार तकनीकें, समन्वित कीट प्रबंधन पद्धतियां तथा टिकाऊ नियंत्रण रणनीतियों जैसे विषयों को शामिल किया गया है। नोडल अधिकारी वरिष्ठ प्रधान विज्ञानी डा. नीरज जैन ने भवनों में दीमक एवं कीट संक्रमण से उत्पन्न हो रही चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भवनों की सुरक्षा, स्थायित्व, स्वच्छता व सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए विज्ञानी, टिकाऊ व समन्वित कीट प्रबंधन पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न शहरों से लगभग 32 अधिकारियों व पेशेवरों ने सहभागिता की। इस मौके पर उदय मेनन, रवि शंकर व्यास, राम जीवन कुटार, डा. दिलबाग सिंह, पुनीत कुमार, पर्नव, डा. तबिश आलम, डा. संदीप गुप्ता, डा. राजेंद्र आदि मौजूद रहे।

CSIR-CBRI in the Limelight | 12.05.2026

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

Azadi Ka Amrit Mahotsav

सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर 13 स्वदेशी टेक्नोलॉजी उद्योगों को हस्तांतरित कीं

* सतत भवन प्रौद्योगिकी एवं स्वच्छ ऊर्जा नवाचारों में सीएसआईआर-सीबीआरआई की महत्वपूर्ण उपलब्धि
* "स्मार्ट विलेज" पहल के माध्यम से ग्रामीण विकास हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित समाधान
* 13 स्वदेशी टेक्नोलॉजी का उद्योगों को हस्तांतरण, सतत विकास एवं ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगा बढ़ावा

प्रविष्टि तिथि: 12 MAY 2026 7:28AM by PIB Dehradun

नई दिल्ली, 12 मई 2026 – सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीबीआरआई), रुड़की ने 11 मई 2026 को सीएसआईआर, नई दिल्ली स्थित श्री शांति स्वरूप भटनागर सभागार में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। कार्यक्रम में डॉ. (श्रीमती) एन. कलैसेल्वी, महानिदेशक, सीएसआईआर एवं सचिव, डीएसआईआर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की भी समारोह में मौजूद रहे। कार्यक्रम का समन्वयन आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. अजय चौरसिया, संयोजक डॉ. एस. के. पाणिग्रही, श्रीमती गायत्री देवी, एस.टी.ओ. तथा प्रो. एस. के. सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान ने सतत भवन प्रौद्योगिकी एवं स्वच्छ ऊर्जा नवाचारों के क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदानों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया।

https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2260074&reg=46&lang=45

Ministry of Science & Technology

CSIR-CBRI, Roorkee Transfers 13 Indigenous Technologies to Industry on National Technology Day

* CSIR-CBRI highlights major advancements in sustainable building technologies and clean energy innovations
* "Smart Village" initiative emphasizes science-driven solutions for rural development
* Transfer of 13 indigenous technologies to industries to promote sustainable development and energy security

Posted On: 12 MAY 2026 7:30AM by PIB Dehradun

New Delhi, 12 May 2026 – CSIR-Central Building Research Institute (CSIR-CBRI), Roorkee celebrated National Technology Day on 11 May 2026 at the Shri Shanti Swarup Bhatnagar Auditorium, CSIR, New Delhi. Dr. (Mrs.) N. Kalaiselvi, Director General, CSIR and Secretary, DSIR, graced the occasion as the Chief Guest. Prof. R. Pradeep Kumar, Director, CSIR-CBRI, Roorkee, was also present during the ceremony. The programme was coordinated by Dr. Ajay Chourasia, Chairman, Organising Committee, Dr. S. K. Panigrahi, Convener, Smt. Gayatri Devi, S.T.O., and Prof. S. K. Singh.

https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2260075&reg=46&lang=1

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया; इस अवसर पर सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित 13 स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को उद्योग को हस्तांतरित किया गया

अग्नि सुरक्षा, सतत निर्माण और अवसंरचना संरक्षण में सीएसआईआर-सीबीआरआई प्रौद्योगिकियों का उद्योगों को हस्तांतरण

प्रविष्टि तिथि: 12 MAY 2026 10:37AM by PIB Delhi

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य और प्रौद्योगिकी आधारित विकास एवं आत्मनिर्भरता के की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने नई दिल्ली स्थित सीएसआईआर मुख्यालय में अपने मासिक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद- केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की द्वारा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण था। इस दौरान संस्थान द्वारा विकसित 13 स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को उद्योगों और स्टार्टअप्स को हस्तांतरित किया गया।

कार्यक्रम के समन्वयक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद- केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान के डॉ. अजय चौरसिया ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए देश में नवाचार-आधारित विकास को गति देने में उद्योग-उन्मुख प्रौद्योगिकी प्रसार के महत्व का उल्लेख किया।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद- केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान के निदेशक, प्रोफेसर आर. प्रदीप कुमार ने संस्थान की तकनीकी उपलब्धियों और सामाजिक रूप से प्रासंगिक नवाचारों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम का आयोजन विशेष महत्व रखता है। प्रोफेसर कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद- केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकियों और नवाचारों का उद्योग को हस्तांतरण भारत के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र की बढ़ती क्षमता और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान को दर्शाता है। प्रोफेसर कुमार ने जोर दिया कि इस तरह की पहल आत्मनिर्भर भारत, सतत अवसंरचना और प्रौद्योगिकी-संचालित विकास की अवधारणा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

CSIR-CBRI in the Limelight | 29.04.2026

8 हरिद्वार: दैनिक हाक, बुधवार, 29 अप्रैल 2026 रुड़की

सीबीआरआई में विश्व धरोहर दिवस का किया आयोजन

संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया पर हुई चर्चा

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना रहा

रुड़की (दैनिक हाक): सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की द्वारा 28 अप्रैल मंगलवार को आरएनटी सभागार में विश्व धरोहर दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें इस वर्ष की थीम संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. नीरज जैन, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं ओडीएस प्रमुख ने सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए विश्व धरोहर दिवस के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्व धरोहर दिवस प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य विश्व धरोहर स्थलों के महत्व और भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विश्व धरोहर स्थल हमारी साझा सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का एक अमूल्य हिस्सा हैं, और उनकी रक्षा तथा संरक्षण करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। इसके उपरांत प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीबीआरआई ने अपने संबोधन में विरासत संरक्षण में वैज्ञानिक अनुसंधान की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक निर्माण तकनीकों और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से ही ऐतिहासिक संरचनाओं का दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि सीबीआरआई द्वारा विरासत भवनों के संरचनात्मक मूल्यांकन, संरक्षण तकनीकों के विकास तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्रों में निरंतर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण आमंत्रित वक्ता का व्याख्यान रहा। इस अवसर पर डॉ. अचल कुमार मित्तल एमेरिटस वैज्ञानिक ने शविरासत संरचनाओं का संरक्षण: समस्या विवरण, केस स्टडी और भविष्य की दिशाएँ विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने ऐतिहासिक संरचनाओं के संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों, विभिन्न केस स्टडी एवं भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की, जिससे उपस्थित प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान Heritage and special structures समूह की वरिष्ठ वैज्ञानिक हीना गुप्ता ने विश्व विरासत दिवस 2026 के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह दिवस हमारी साझा मानवीय इतिहास की विविधता,उसकी संवेदनशीलता और उसके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक वैश्विक आह्वान के रूप में करता है। Heritage special structures स प्रमुख डॉ. सिद्धार्थ बेहरा ने अ समूह की वर्तमान और पिछली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE&Heritage) पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। विश्व धरोहर विषय पर एक रोचक प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, एसीएसआईआर के छात्रों एवं प्रशिक्षु छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही। यह आयोजन न केवल विरासत संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहरों की सुरक्षा के लिए एक सशक्त मंच भी प्रदान किया।

CSIR-CBRI in the Limelight | 28.04.2026

सीबीआरआई में विश्व धरोहर दिवस का आयोजन : "विरासत संरचनाओं के संरक्षण की आवश्यकता "

Share

रूड़की.

सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की द्वारा 28 अप्रैल 2026 को आरएनटी सभागार में विश्व धरोहर दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें इस वर्ष की थीम "संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया" पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. नीरज जैन, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवम ओडीएस प्रमुख ने सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए विश्व धरोहर दिवस के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्व धरोहर दिवस प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य विश्व धरोहर स्थलों के महत्व और भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विश्व धरोहर स्थल हमारी साझा सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का एक अमूल्य हिस्सा हैं, और उनकी रक्षा तथा संरक्षण करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

इसके उपरांत, प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीबीआरआई ने अपने संबोधन में विरासत संरक्षण में वैज्ञानिक अनुसंधान की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक निर्माण तकनीकों और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से ही ऐतिहासिक संरचनाओं का दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि सीबीआरआई द्वारा विरासत भवनों के संरचनात्मक मूल्यांकन, संरक्षण तकनीकों के विकास तथा आपदा जोखिम

https://thesoulofindia.in/world-heritage-day-organized-at-cbri-need-for-conservation-of-heritage-structures/

रुड़की | विश्व/स्वास्थ्य | हरिद्वार

विश्व धरोहर स्थल हमारी साझा सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का एक अमूल्य हिस्सा...पढ़ें

Uttarakhand Parikalpana April 28, 2026

रुड़की(अनिल शीर्षवाल)। सीएसआईआर–केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की द्वारा आरएनटी सभागार में विश्व धरोहर दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें इस वर्ष की थीम "संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया" पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत मे डॉ. नीरज जैन, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवम ओडीएस प्रमुख ने सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए विश्व धरोहर दिवस के बारे मे जानकारी दी। उन्होने बताया कि विश्व धरोहर दिवस प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य विश्व धरोहर स्थलों के महत्व और भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विश्व धरोहर स्थल हमारी साझा सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का एक अमूल्य हिस्सा हैं, और उनकी रक्षा तथा संरक्षण करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

इसके उपरांत, प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीबीआरआई ने अपने संबोधन में विरासत संरक्षण में वैज्ञानिक अनुसंधान की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक निर्माण तकनीकों और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से ही ऐतिहासिक संरचनाओं का दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि सीबीआरआई द्वारा विरासत भवनों के संरचनात्मक मूल्यांकन, संरक्षण तकनीकों के विकास तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्रों में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

https://uttarakhandparikalpana.com/world-heritage-sites-an-invaluable-part-of-our-shared-cultural-and-natural-heritage-read/

CSIR-CBRI in the Limelight | 17.04.2026

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

सीएसआईआर–सीबीआरआई में स्मार्ट विलेज पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

-कार्यशाला ग्रामीण क्षेत्रों में सीएसआईआर प्रौद्योगिकियों के परिचालन नियोजन और तैनाती पर केंद्रित है

-2027 तक चयनित गांवों में स्मार्ट विलेज पहल के कार्यान्वयन के लिए रोडमैप तैयार

-बाल रक्षा भारत के साथ सहयोग सामाजिक एकीकरण और संसाधन जुटाने की रणनीतियों को मजबूत करता है

प्रविष्टि तिथि: 16 APR 2026 10:53PM by PIB Dehradun

सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की ने बुधवार को अपने परिसर में बाल रक्षा भारत के सहयोग से स्मार्ट विलेज पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-नियोजन कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया।

दो दिवसीय कार्यशाला सीएसआईआर प्रौद्योगिकियों के जमीनी स्तर पर तैनाती के लिए परिचालन नियोजन और संसाधन जुटाने की रणनीतियों पर केंद्रित थी, जिसमें 2027 तक कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों और एनजीओ प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सीएसआईआर-सीबीआरआई के निदेशक श्री आर प्रदीप कुमार रामंचरला द्वारा उद्घाटन के साथ हुई, जिन्होंने नवीन और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के माध्यम से समग्र ग्रामीण विकास को चलाने में स्मार्ट विलेज मिशन की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने संदर्भ-विशिष्ट समाधान प्रदान करने में 16 सीएसआईआर प्रयोगशालाओं की भूमिका पर जोर दिया और बाल रक्षा भारत के साथ सहयोग की सराहना की।

बाल रक्षा भारत के निदेशक श्री अविनाश सिंह ने प्रभावी कार्यान्वयन के लिए हितधारकों की भागीदारी, सामाजिक एकीकरण और सीएसआर-आधारित वित्त पोषण रणनीतियों के महत्व को रेखांकित किया।

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2252796&reg=3&lang=2

Ministry of Science & Technology

Two days Training Workshop on Smart Village Initiative concludes at CSIR–CBRI

* Workshop focuses on operational planning and deployment of CSIR technologies in rural areas

* Roadmap prepared for implementation of Smart Village Initiative across selected villages by 2027

* Collaboration with Bal Raksha Bharat strengthens social integration and resource mobilization strategies

Posted On: 16 APR 2026 10:56PM by PIB Dehradun

The CSIR–Central Building Research Institute (CSIR-CBRI) Roorkee on Wednesday successfully concluded a two-day Training-cum-Planning Workshop on the Smart Village Initiative at its campus in collaboration with Bal Raksha Bharat.

The two days workshop focused on operational planning for on-ground deployment of CSIR technologies and strategies for resource mobilization, bringing together senior officials, scientists, and NGO representatives to formulate a comprehensive roadmap for implementation by 2027

https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2252797&reg=46&lang=1

सीएसआईआर–सीबीआरआई में स्मार्ट विलेज पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

Uttarakhand

April 16, 2026 Garhwalkipukar Leave A Comment

-कार्यशाला ग्रामीण क्षेत्रों में सीएसआईआर प्रौद्योगिकियों के परिचालन नियोजन और तैनाती पर केंद्रित है

-2027 तक चयनित गांवों में स्मार्ट विलेज पहल के कार्यान्वयन के लिए रोडमैप तैयार

-बाल रक्षा भारत के साथ सहयोग सामाजिक एकीकरण और संसाधन जुटाने की रणनीतियों को मजबूत करता है

सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की ने बुधवार को अपने परिसर में बाल रक्षा भारत के सहयोग से स्मार्ट विलेज पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-नियोजन कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया।

दो दिवसीय कार्यशाला सीएसआईआर प्रौद्योगिकियों के जमीनी स्तर पर तैनाती के लिए परिचालन नियोजन और संसाधन जुटाने की रणनीतियों पर केंद्रित थी, जिसमें 2027 तक कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों और एनजीओ प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सीएसआईआर-सीबीआरआई के निदेशक श्री आर प्रदीप कुमार रामंचरला द्वारा उद्घाटन के साथ हुई, जिन्होंने नवीन और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के माध्यम से समग्र ग्रामीण विकास को चलाने में स्मार्ट विलेज मिशन की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने संदर्भ-विशिष्ट समाधान

https://garhwalkipukar.com/uttarakhand/csir/

CSIR-CBRI in the Limelight | 16.04.2026

सीएसआइआर-सीबीआरआइ में स्मार्ट विलेज पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

BY LOCNIRNAY@GMAIL.COM APRIL 16, 2026 0 COMMENTS 58 VIEWS

देहरादून। (लोक निर्णय)सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीएसआइआर-सीबीआरआइ) रुड़की ने बुधवार को अपने परिसर में बाल रक्षा भारत के सहयोग से स्मार्ट विलेज पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-नियोजन कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया। कार्यशाला सीएसआर प्रौद्योगिकियों के जमीनी स्तर पर तैनाती के लिए परिचालन नियोजन और संसाधन जुटाने की रणनीतियों पर केंद्रित थी। जिसमें वर्ष, 2027 तक कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों और एनजीओ प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत सीएसआइआर-सीबीआरआइ के निदेशक आर. प्रदीप कुमार रामंचरला द्वारा उद्घाटन के साथ हुई।जिन्होंने नवीन और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के माध्यम से समग्र ग्रामीण विकास को चलाने में स्मार्ट विलेज मिशन की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने संदर्भ-विशिष्ट समाधान प्रदान करने में 16 सीएसआइआर प्रयोगशालाओं की भूमिका पर जोर दिया और बाल रक्षा भारत के साथ सहयोग की सराहना की।बाल रक्षा भारत के

UNCATEGORIZED

CSIR-CBRI Hosts Two-Day Training-cum-Planning Workshop on Smart Village Initiative:

By Sahara Live News

CSIR-CBRI Hosts Two-Day Training-cum-Planning Workshop on Smart Village Initiative:

The CSIR-Central Building Research Institute (CSIR-CBRI) successfully organized a two-day Training-cum-Planning Workshop on the Smart Village Initiative at its campus on April 15–16, 2026, in collaboration with Bal Raksha Bharat (BRB).

The workshop focused on operational planning for on-ground deployment of CSIR technologies and strategies for resource mobilization. The workshop brought together senior officials, scientists, and NGO with the objective of formulating a comprehensive roadmap for the successful implementation of the initiative by 2027.

The programme commenced with the inauguration by Prof. R. Pradeep Kumar Ramancharla, Director, CSIR-CBRI, who emphasized the transformative potential of the Smart Village Mission in driving holistic rural development through innovative and sustainable technologies. He highlighted the critical role of 16 CSIR laboratories in deploying context-specific technological solutions aimed at improving the quality of life in rural areas and expressed his gratitude to the Bal Raksha Bharat team for their collaboration and commitment to the mission. Shri Avinash Singh, Director, Bal Raksha Bharat, underscored the importance of integrating social components, stakeholder engagement, and CSR-based funding strategies.

Representatives from CSIR-CBRI, including Dr. D.P. Kanungo, Dr. Nagesh, Dr. Ravindra, Dr. Kishor Kukarni, Dr. Chandan, Dr. Tabish, Dr. Veena, Dr. Naveen, Ar. Anup, Mr. Abhishek Kumar, Ar. Abhishek Singh, and Ms. Nisha, actively participated in the discussions and made significant contributions toward finalizing the project roadmap.

Translate »

, the Bal Raksha Bharat team—comprising Shri Mintu Debnath, Dr. Tanvi Singh Chauhan, Mr. Abhijeet Nirmal, Shri Sanjay Mode, Mr. Naveen Shukla, Shri John Stanley, Mr. Kunal Das, Sh. Sanjay Sharma, and Shri Sandeep Sharma—engaged actively in the sessions, gaining valuable insights into technological solutions and their integration with social development components.

https://www.saharalivenews.com/archives/10874